(घ) दूरदर्शन ने प्रसारण के लिए पहले ही राज्य स्तर पर पुरस्कृत ग्यारह मराठी फिल्मों का चयन किया है। ये फिल्में, दूरदर्शन की कार्यक्रम आवश्यकताओं के अनुसार, विभिन्न भाषाओं की अन्य पात्र फिल्मों के साथ दिखाई जाएंगी।

पॉम आयल बीजों का उत्पादन

@246क. **सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :**

डा० जितेन्द्र कुमार जैन :

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि बायोटेक्नोलॉजी विभाग ने पॉम आयल बीजों के उत्पादन को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आन्ध्र प्रदेश, कर्नाटक तथा महाराष्ट्र की सरकारों के सहयोग से एक योजना लागू की है;

(ख) यदि हां, तो यह योजना कब शुरू की गई और इसके अब तक क्या परिणाम प्राप्त हुये हैं ;

(ग) क्या सरकार ने इस योजना के कार्यान्वयन में आ रही कठिनाइयों का पता लगाया है; और

(घ) यदि हां, तो सरकार द्वारा इस सम्बन्ध में क्या उपचारी उपाय किये गये हैं ?

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती मारग्रेट आल्वा) : (क) और (ख) जी हां। यह तेल ताड़ प्रदर्शन नामक परियोजना भारत सरकार द्वारा 1988-89 में आन्ध्र प्रदेश, कर्नाटक और महाराष्ट्र की सरकारों के साथ उपर्युक्त प्रत्येक राज्य में लगभग एक हजार हेक्टेयर सिंचित क्षेत्र में तेल ताड़ कृषि की व्यवहार्यता प्रदर्शित करने के लिये शुरू की गई थी। ये परियोजनाएं 5 वर्ष में पूरी की जानी है। प्रत्येक तेल ताड़ प्रदर्शन परियोजना भारत सरकार एवं सम्बद्ध राज्य सरकार के बीच 50 : 50 के आधार पर बजटगत लागत साझीदारी पटर्न पर कार्यान्वित की जा रही है। तेल ताड़ प्रदर्शन परियोजना क्षेत्र हैं : आंध्र प्रदेश कृष्णा, पश्चिम गोदावरी एवं पूर्व गोदावरी जिले, कर्नाटक—शिमोगा जिला और महाराष्ट्र—सिन्धुदुर्ग जिला (कोंकण क्षेत्र)।

सभी तीन तेल ताड़ प्रदर्शन परियोजनाओं के लिये भारत सरकार एवं सम्बद्ध राज्य सरकार स्वीकृति आदेश 1988-89 में जारी किये गये थे। सभी तेल ताड़ प्रदर्शन परियोजनाओं में दोनों अर्थात् मैसर्स ए. एस. डी. लिमिटेड, कोस्टारिका से प्राप्त आयातित उत्तम बीजों तथा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद से प्राप्त स्वदेश में ही उत्पादित बीजों से पौध तैयार की गई है। तीन राज्यों में पौध रोपण क्षेत्र निर्धारित किया गया है। आन्ध्र प्रदेश और कर्नाटक में 100 प्रतिशत क्षेत्र में पौध रोपण किया गया है। महाराष्ट्र में 75% क्षेत्र इसके अंतर्गत है और शेष क्षेत्र में इस मौसम में पौध रोपण किया जा रहा है। संसाधन संयंत्रों की स्थापना के लिये भी प्रयास शुरू किये गये हैं जो फल-गुच्छों की प्रथम कटाई तक तैयार हो जायेंगे।

(ग) और (घ) इस योजना के कार्यान्वयन में अभी तक कोई प्रमुख कठिनाइयां नहीं आई हैं। परियोजनाओं की प्रगति बहुत संतोषजनक रही है।

Repository of Computer Software for Sanskrit Studies and Training

*248. SHRI JAGDISH PRASAD MATHUR: Will the PRIME MINISTER be please to state:

(a) whether there is any repository of Computer Software Packages for Sanskrit studies and training.

@यथा तारांकित प्रश्न 267, 13 सितम्बर, 1991 से स्थानांतरित ।